## (2) सैटेलाइट सम्प्रेषण (SATELLITE-COMMUNICATION)

भारत में शिक्षा के प्रसारण के लिए सैटेलाइट पर आधारित सम्प्रेषण की नई तकनीकी का विकास हुआ है। इसके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दृश्य-श्रव्य के नये युग का श्री गणेश हुआ है। सन् (1975) में **पहला शैक्षिक प्रयोग सैटेलाइट** द्वारा सूचना को प्राप्त करने के लिए किया गया। इस प्रकार का प्रयोग सैटेलाइट के प्रयोग के नाम से जाना जाता है। इस प्रकार की स्थापना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सुदूरवर्ती ग्रामों के व्यक्तियों के लिए जन संचार के उद्देश्य से की गई। इसके बाद इनसेट-1, इनसेट-1बी का प्रयोग दूरवर्ती शिक्षा के विकास के लिए किया गया। सैटेलाइट तकनीकी की सहायता से भारत में दूरवर्ती-शिक्षा के प्रयोग से नये विकास को प्रभावशाली ढंग से लागू किया गया, लेकिन देश में प्रत्येक व्यक्तियों के पास दूरदर्शन उपलब्ध नहीं है, इसको उपलब्ध होने में अभी समय है। विभिन्न क्षेत्रों में दूर तक फैले विभिन्न समुदायों के लोगों को आपस में जोड़ने के लिये प्रयोग किया जाता है। भारत सैटेलाइट के क्षेत्र में पूर्ण विकसित है। यह प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों के लिए नवीन प्रकार की योजनाओं को तैयार करने में एवं शिक्षा के विकास में सहायक हो सकती है।

Scanned with CamScanner

सैटेलाइट पर आधारित सम्प्रेषण के प्रारूप के कुछ मुख्य लाभ अधोलिखित हैं–

**(क) भौगोलिक वातावरण** (Geographical Coverage)–भारतवर्ष में जहाँ पर कि भौगोलिक वातावरण एवं अन्य कारण कठिनाइयाँ पैदा करते थे, सैटेलाइट आधारित सम्प्रेषण इस क्षेत्र में प्रभावशाली सिद्ध हुआ है। इसके द्वारा देश के सुदूरवर्ती एवं पहाड़ों पर तथा अन्य स्थानों पर कार्यक्रमों को प्रायोजित किया जाता है।

**(ख) आधुनिकीकरण के लिए** (Impetus for Modernization)–सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक विकास के लिए भारत में सैटेलाइट सम्प्रेषण तकनीकी विशेष रूप से सहायक है। विश्व के परिवर्तनों एवं नवीन जानकारियों को गाँवों तक पहुँचाने के लिए दूरदर्शन अधिक उपयोगी है। इसके द्वारा आधुनिकीकरण की प्रभावशाली विधियों को लोगों तक पहुँचाया जाता है।

**(ग) क्रियान्वयन में शीघ्रता** (Immediacy in Implementation)–शैक्षिक प्रवर्तनों एवं अनुसन्धानों को कम से कम समय में इसके द्वारा तैयार किया जाता है एवं लागू किया जा सकता है। इसके द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों को कम से कम समय में लागू किया जा सकता है।

**(घ) व्यय की प्रभावशीलता** (Cost Effectiveness)–सैटेलाइट तकनीकी शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रभावशाली मूल्यों को उपलब्ध कराती है। अन्य साधनों की तुलना में सैटेलाइट तकनीकी अधिकांश लोगों को साधन उपलब्ध कराने में सफल है, क्योंकि सैटेलाइट का सम्बन्ध अन्य साधनों के अतिरिक्त इसका दूरी से कोई सम्बन्ध नहीं है। सुदूर तक फैले हुए समुदायों तक इस प्रकार के कार्यक्रमों को कम से कम दर पर उपलब्ध कराया जा सकता है। दूरदर्शन के प्रसारण के अतिरिक्त सैटेलाइट उपग्रह का प्रयोग अन्य विभिन्न प्रकार के उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जैसे कि रेडियो, टेलीफोन एवं धातुवर्धना। इसके द्वारा दूरदर्शन से दो विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को नियोजित किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner